श्री ब्राम्हण स्वर्णकार समाज की श्री धर्मसीजी व्दारा स्थापित गोत्रों का विवरण

क्रम	गोत्र	अल्ल खाँप अथवा प्रचलित गोत्र	वेद	प्रवर	गणेश	शाखा	कुलदेवी	शिव	भैरव	यक्ष
१	अत्रि	साकरिया, मंडोरा, मथरिया, मोदेसरा, भोजाल भीनमाला, कोटडिया, नथमल, कथोरिया, भाटी	ऋग्वेद	अत्रि श्यावाश्व आर्चनावश	ढुंढिराज	आश्वालायिनी	अन्नपूर्णा	ओंकारेश्वर	आनंद	धनेश्वर
२	कश्यप	काला, भजूड, बूचा, कठडिया, सोलंकी, कुंभलमेरा, पालडीवाल, लखपाल, पालीवाल	सामवेद अथर्ववेद	वत्सर कश्यप निधुव	विनायक	कौथुमी स्वांतरायणी	आशापुरा	काश्यपेश्वर	जर्टल	लक्ष्मणेश्वर
३	कौशिक	छापरवाल, बेडसा, चौहाण, पवार, गहलोत, सिंघल, नाथडा, हथेलिया, कटारिया, आमलिया	ऋग्वेद सामवेद	विश्वमित्र देवरात औदल	गौवत्स	आश्वालायिनी कौथुमी	चामुंडा	त्र्यम्बकेश्वर	कालभैरव	कामेश्वर
४	गौतम	बाडमेरा, लाडनवाल, धांधल, झाडोलिया, हाडा लोलग, आसोपा, खेजडिया, पणधारी	यजुर्वेद	आंगिरस गौतम औतम्य	साध्य	माध्यंदिनी	हर्षद	चण्डेश्वर	ग्रामपाल	दययति
५	पाराशर	महेचा, चित्रोडा, श्रीश्रीमाल, भोगल, मणिहार चोवटिया, छतराला, तांबेडा, पोमल	सामवेद	पराशर शक्ति वशिष्ठ	उदय	कौथुमी	अंबा	पारेश्वर	सिध्दिदाता	धिनेश्वर
६	भारव्दाज	कट्टा, जालोरा, जोजावरा, परमार, देवल मंडलीवाल, गोयल, रायपाल, मंडलीक, मूथा	ऋग्वेद, सामवेद यजुर्वेद, अथर्ववेद	भारव्दाज आंगिरस बृहस्पति	आर्य	आश्वालायिनी कौथुमी माध्यंदिनी स्वांतरायणी	कालिंका	नवलेश्वर	ईशान	रामेश्वर
७	वत्सस	हेडाऊ, राठोड, वीसा, रुपसी, रुहाडा, बडगांवा, दीया, बीजाणी, रतनपुरा, रमीणा	सामवेद यजुर्वेद	भृगु,च्यवन आप्लवान जमदग्नि	अभय	कौथुमी स्वांतरायणी	वाघेश्वरी वागीश्वरी	दूधेश्वर	विजय	यथग्रीवा
८	वशिष्ठ	जसमतिया, डूंगरवाल, लायचा, गढेचा, ईडरिया भूपाल, भागीजा, बरनाडा, लोरका	यजुर्वेद	वशिष्ठ भगीवसु इंद्रप्रमदि	मंगलमूर्ति	माध्यंदिनी	महालक्ष्मी	नागेश्वर	रक्तांक	हरक्ष
९	हरितस	खटोर, राडा, मेवाडा, ईया, सरवाडिया नूनेचा, बुधभाटी, आमथलिया	ऋग्वेद	हरितस	अर्जुन	आश्वालायिनी	सचियाय	जागेश्वर	वटपालक	सूर्ययक्ष